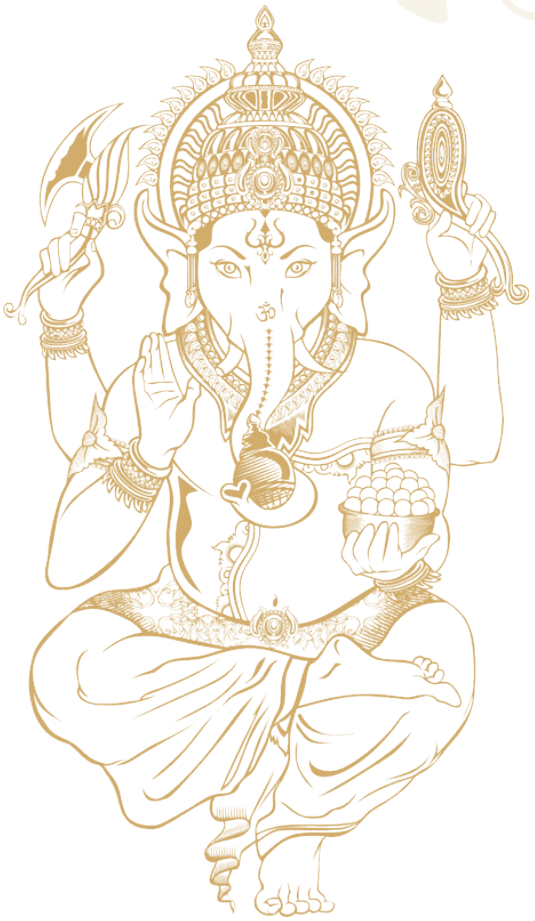

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119691909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/03/1997	जन्म तिथि	19/01/1998
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:20:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 54:55:53	जन्म समय(घटी)	27:38:41 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Ranchi
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:38	सूर्योदय	06:32:32
18:12:43	सूर्यास्त	17:26:19
23:49:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 8वर्ष 10मा 11दि	16:31:04	मक	लग्न	कर्क	13:34:19	**चन्द्र 1वर्ष 6मा 9दि**	
शुक्र	26:35:29	कुंभ	सूर्य	मक	05:23:48	**गुरु**	
20/01/2013	23:02:51	मीन	चंद्र	कन्या	21:17:57	**30/07/2024**	
20/01/2033	05:24:15	कन्या व	मंगल	कुंभ	01:32:17	**30/07/2040**	
शुक्र 22/05/2016	25:56:32	कुंभ	बुध	धनु	15:13:48	गुरु	17/09/2026
सूर्य 22/05/2017	17:06:23	मक	गुरु	कुंभ	02:27:52	शनि	30/03/2029
चन्द्र 21/01/2019	20:53:35	कुंभ	शुक्र व	मक	00:26:09	बुध	06/07/2031
मंगल 22/03/2020	13:57:00	मीन	शनि	मीन	20:44:58	केतु	11/06/2032
राहु 23/03/2023	04:53:39	कन्या	राहु	सिंह	17:29:00	शुक्र	10/02/2035
गुरु 21/11/2025	04:53:39	मीन	केतु	कुंभ	17:29:00	सूर्य	29/11/2035
शनि 20/01/2029	13:17:02	मक	हर्ष	मक	14:19:54	चन्द्र	30/03/2037
बुध 21/11/2031	05:25:06	मक	नेप	मक	05:48:28	मंगल	06/03/2038
केतु 20/01/2033	11:46:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:30:34	राहु	30/07/2040

लग्न-चलित

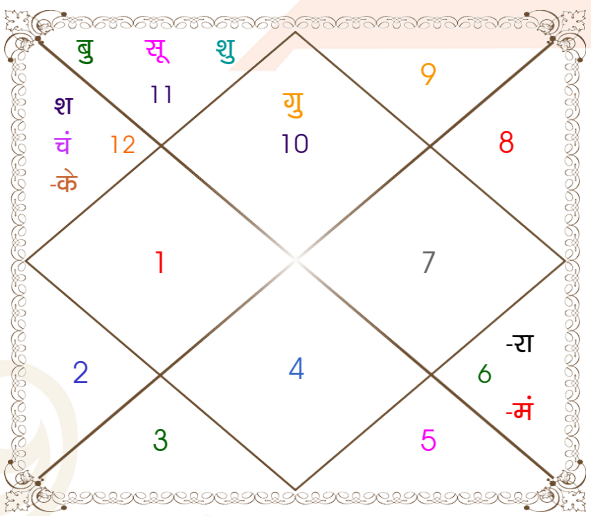

लग्न-चलित

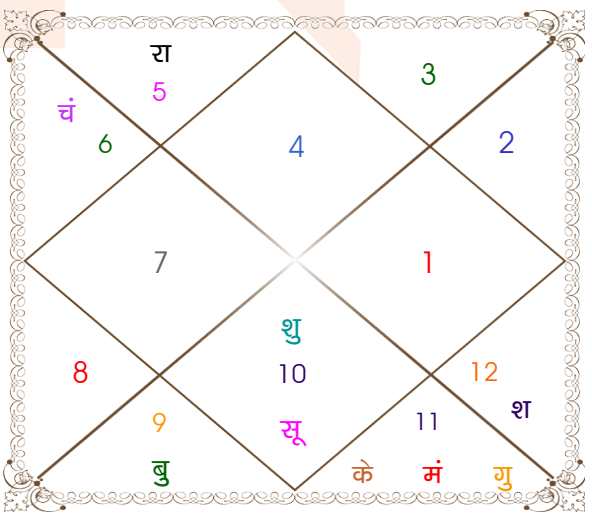

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।